9th

पाठ 5
अपराजिता

Date ___/___/___ Page No.: ___

मौखिक प्रश्नोत्तर –

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए –

प्र० 1 विपत्ति के क्षणों में किसे दोषी ठहराया जाता है?

उ० 1- विपत्ति के क्षणों मे विधाता को दोषी ठहराया जाता है।

प्र० 2 लेखिका ने डॉ० चंद्रा की तुलना किससे की?

उ० 2 - लेखिका ने डॉ० चंद्रा की तुलना देवांगना से की है।

प्र० 3 - लेखिका डॉ० चंद्रा की किस क्रिया को नित्य देखती थी?

उ० - 3 लेखिका डॉ चंद्रा के विचित्र आवागमन को नित्य देखती थी।

प्र० 4 - मदर ने क्या कहकर डॉ० चंद्रा को स्कूल में प्रवेश नहीं दिया?

उ० - 4 - मदर ने कहा - "हमे आपसे पूरी सहानुभूति है पर आप ही सोचिए आपकी पुत्री की व्हील चेयर कौन पूरे क्लास मे घुमाता फिरेगा?"

प्र० 5 - डॉ० चंद्रा को देखकर लेखिका को किसका स्मरण हो आता था?

उ० 5 - डॉ० चंद्रा को देखकर लेखिका को एक इलाहाबादी लड़के का स्मरण हो आया था। जिसके ट्रेन दुर्घटना मे दोनो पैर चले गए थे।

प्र० 6 - पाठ की लेखिका कौन हैं?

उ० 6 - पाठ की लेखिका शिवानी है।

लिखित –

1 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर विस्तार से लिखिए।

प्र० क - हमें अपने जीवन की रिक्तता कब छोटी लगने लगती है?

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles"

Date ___/___/______ Page No. ______

उ॰क- हमें अपने जीवन की रिक्तता उस समय छोटी लगने लगती है जब हम किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हैं जो किसी अंग से वंचित होता है।

प्र॰ख- डॉ॰ चंद्रा की गरदन का निचला हिस्सा कैसे निर्जीव हो गया?

उ॰ख) डॉ॰ चंद्रा की गरदन का निचला हिस्सा पोलियो के कारण निर्जीव हो गया।

प्र॰ग- डॉ॰ चंद्रा के प्रोफेसर ने उनकी माता को 'वीर जननी' क्यों कहा?

उ॰ग) डॉ॰ चंद्रा के प्रोफेसर ने उनकी माता को 'वीर जननी' इसलिए कहा क्योंकि उन्होंने बेटी के सुख के लिए अपना समस्त सुख त्याग दिया। वे हमेशा बेटी का संबल बनी रहीं।

प्र॰घ- लेखिका ने डॉ॰ चंद्रा को किन-किन विशेषणों से सुशोभित किया?

उ॰घ) लेखिका ने डॉ॰ चंद्रा को बित्तेभर की लड़की और देवांगना जैसे विशेषणों से सुशोभित किया।

प्र॰ङ- डॉ॰ चंद्रा ने क्या-क्या उपलब्धियाँ अर्जित कीं?

उ॰ङ) डॉ॰ चंद्रा ने विज्ञान में पी॰एच॰डी॰ की उपाधि ग्रहण की। इसके साथ ही गर्ल गाइड में राष्ट्रपति का स्वर्ण कार्ड और जर्मन भाषा में विशेष योग्यता अर्जित की। उन्हें भारतीय और पाश्चात्य संगीत में भी रुचि थी।

२ निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए-

क) भले ही उस ——— तो नहीं किया।

उ॰- इस पंक्ति का आशय है कि कभी-कभी हम अपनी किसी कमी के कारण दुखी होते हैं और

Date ___/___/_______ Page No.:

विधाता को दोष देते हैं लेकिन जब हम किसी अपाहिज व्यक्ति को देखते है तो ईश्वर को धन्यवाद देते है कि उसने हमें ऐसा दुख तो नही दिया है।

ख- नहीं मिसेज — — — घुमाता फिरेगा।

उ॰- डॉ॰ चंद्रा की अपंगता के कारण स्कूल की शिक्षिका ने स्कूल मे प्रवेश से मना कर दिया था क्योंकि वह सोचती कि उसे दिनभर कक्षा मे कौन व्हील चेयर लेकर घुमाता फिरेगा।

पाठ 5- अभ्यास कार्य

विषय-वस्तु का बोध -

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

नियति के प्रत्येक — — कम नहीं लगी।

प्र॰ क- लेखिका ने 'बित्तेभर की लड़की' किसे कहा है? उन्होंने उसे यह विशेषण दिया?

उ॰ लेखिका ने बित्तेभर की लड़की डॉ॰ चंद्रा को कहा है। उन्होंने यह विशेषण उसे इसलिए दिया क्योंकि उसकी अवस्था बहुत कम थी।

प्र॰ ख- 'बित्तेभर की लड़की' को क्या कष्ट था?

उ॰ ख- 'बित्तेभर की लड़की' अर्थात डॉ॰ चंद्रा के जन्म के अठारहवें महीने में ही उनकी गरदन के नीचे का पूरा शरीर पोलियो से निर्जीव हो गया था।

प्र॰ ग- लेखिका उसे देवांगना क्यों कह रही हैं?

(उ॰)

"Future comes only when we forget our ideals and objectives and principles" - Jawaharlal Nehru

Date __/__/__ Page No. ____

उ॰ग- लेखिका उसे देवांगना इसलिए कह रही है क्योंकि उस लड़की ने निपति के प्रत्येक कठोर आघात को अदम्य साहस और धैर्य से न केवल अपनी कमजोरियों पर विजय पाई बल्कि प्राणिशास्त्र विज्ञान में अपने लिए विशेष स्थान भी बना लिया।

प्र॰घ- समानार्थी शब्द लिखिए -

उ॰घ- निपति - भाग्य , प्रत्येक - हर एक

भाषा-बोध

1. पुनर्, अन, अ, अप, निर् उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए।

उत्साह - अनुत्साह	रुचि - अरुचि
अभ्यास - अनभ्यास	जीव - निर्जीव
मान - अपमान	जीवन - पुनर्जीवन

2 दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

दंडित - पुरस्कृत	सजीव - निर्जीव
मानव - दानव	कठोरतम - सरलतम
दोषी - निर्दोष	अंतिम - आरंभिक

3 निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए

सब कुछ जानने वाला - सर्वज्ञ
जीने की इच्छा - जिजीविषा
जिसमें कोई रस न हो - नीरस
जिसमें जान न हो - निर्जीव

(11)

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." - Swami Vivekananda

(31)

→ शेष पृष्ठ 37

पाठ 5 का शव

Date ___/___/______ Page No.: ______

पाठ के आधार पर वाक्यों के लिए उचित क्रिया का चुनाव कीजिए -

क) ______ लेती हूँ। (लेता हूँ / लेती हूँ)

ख) ______ हुआ। (हुई / हुआ)

ग) ______ रह गई। (रह गई / रह गया)

घ) ______ गई थीं। (गए थे / गई थीं)

ही, भी, तो, भर और मात्र आदि निपात शब्दों में से किन्हीं तीन का प्रयोग करके वाक्य बनाना।

क) ही - मैं परीक्षा उत्तीर्ण करके ही रहूँगा।

ख) भर - वह दिन भर काम करता रहा।

ग) तो - तुम तो कल आने वाले थे।

पाठ-6
भक्ति के पद

Date ___/___/___ Page No.: ___

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

प्र०1- मीरा किसकी भक्त थीं?
उ०-1 मीरा कृष्ण की भक्त थी।
प्र० 2- सूरदास के मन को कहाँ सुख मिलता है?
उ०-2 सूरदास के मन को कृष्ण-भक्ति में सुख मिलता है।
प्र०3- मानव के दुख कब शुरू होते हैं?
उ०-3 जब मानव भौतिकता में व्यस्त होने लगता है और प्रभु को भूलने लगता है, तब दुःख शुरू होते हैं।
प्र०4- 'कामधेनु' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?
उ०-4 'कामधेनु' शब्द कामधेनु गाय के लिए प्रयोग किया गया है।

लिखित

1- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

प्र०1- मीरा की भक्ति-भावना का वर्णन कीजिए-
उ०-1 मीरा कृष्ण की भक्ति-भावना में इतनी मग्न थी कि उन्होंने अपना घर-बार छोड़ दिया और साधु-संतों की संगति में अपना समय बिताती

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." -Jawaharlal Nehru

थी। वे घर-गृहस्थी को त्यागकर कृष्ण भगवान की भक्ति में डूबी रहती थी।

प्र॰2- गुरु ने ईश्वर को पाने का कौनसा ज्ञान दिया?

उ॰-2 गुरु ने ईश्वर को पाने के लिए अपनी अन्तरात्मा की आवाज सुनने को कहा, क्योंकि उसमें ही ईश्वर का वास होता है। यदि मन को सच्चाई से जान लिया जाए तो जगह-जगह ईश्वर की खोज में भटकना व्यर्थ है।

प्र॰3 भ्रम की काई किस प्रकार मिटेगी?

उ॰-3 भ्रम की काई मिटाने के लिए गुरु से ज्ञान प्राप्त करना आवश्यक है।

प्र॰4- जहाज का पंछी उड़कर जहाज पर ही क्यों वापस आता है?

उ॰-4 जहाज का पंछी उड़कर जहाज पर इसलिए आता है, क्योंकि उसे वहीं पर आकर बैठने से सुख प्राप्त होता है।

प्रश्न-5 झूठ कब सच लगने लगता है?

उ॰-5 जब ईश्वर की कृपा नहीं होती है, तब झूठ सच लगने लगता है।

2- निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए—

"पुष्प मध्य ———— खोजो भाई॥"

उ॰-1 व्याख्या — पुष्प के मध्य जिस प्रकार खुशबू बसती है, शीशे में जिस तरह परछाई रहती है, वैसे ही हरि हमारे अन्दर ही बसते हैं। उन्हें अपने हृदय के अन्दर ही खोजो।

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda

'मेरौ मन - - - - - - जहाज पर आवै।'

उ०-2 व्याख्या — सूरदास जी कहते हैं कि मेरा मन कृष्ण के बिना कहीं और सुख नहीं पाता है। जिस प्रकार जहाज पर बसने वाला पंछी उड़के फिर जहाज पर आ जाता है, उसी प्रकार मेरा मन इधर-उधर भटक कर फिर कृष्ण कन्हैया के पास आकर सुख पाता है।

3- निम्नलिखित अर्थ वाली पंक्तियाँ पाठ में से चुनकर लिखिए।

(क) मीरा कृष्णमय होकर कृष्ण पर बलिहारी होती है।

उ०-क- मीरा मगन भई हरि के गुण गाय।

(ख) उस शक्ति को कहाँ खोजने जाते हो - - - - तुम्हारे ही साथ है

उ०-2 सर्व-निवासी सदा अलेपा, तोही संग समाई।

(ग) परम पावन गंगा को छोड़कर हे दुर्बुद्धि - - - - क्यों जाता है

उ०-3 परम गंग को छाँड़ि पियासो, दुरमति कूप खनावै।

(घ) वैद्य चाहे कितने भी - - - - बेचैनी नहीं जा सकती।

उ०-4 बैद अनेक उपाय करै, जोगे बिनु पीर न जाई।

विषय-वस्तु का बोध

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

साँप पिटारा राणा भेज्या, मीरा हाथ दियो जाय।
न्हाय-धोय जब देखण लागी, सालिगराम गई पाय।

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." – Jawaharlal Nehru

प्र० 1- राणा सांगा ने साँप, पिटारा मीरा के पास क्यों भेजा?
उ०-1 राणा साँगा ने साँप का पिटारा मीरा के पास उनको मारने के लिए भेजा था।
प्र०2- मीरा पर किनकी कृपा थी?
उ०-2 मीरा पर ईश्वर की कृपा थी।
प्र०3- साँप सालिगराम कैसे बन गया?
उ०-3 साँप सालिगराम ईश्वर की कृपा से बन गया।
प्र०4- 'सालिगराम' क्या है?
उ०-4 सालिगराम भगवान की मूर्ति है।
प्र०5- पद्यांश की लेखिका कौन है?
उ०-5 पद्यांश की लेखिका - मीराबाई - हैं।

भाषा-बोध

1- पदों में से चुनकर तुकान्त शब्द लिखिए।

गाय — जाय
दुखकारी — हारी
गोसाई — नाई
जाई — आई
सुलाय — बिछाय
भावे — दुहावे
भारी — तुम्हारी
बनाय — ऊँचाय
गावे — पावे
बताई — काई

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda

Date ___/___/___ Page No. ___

२- नीचे दिए गए शब्दों को खड़ी बोली में लिखिए

भई — हुई
जानिय — जानो
भेज्या — भेजा
हरहु — हरना
बसत — बसना
लागी — लगी
तजि — त्यागना
सोवण — सोने
देखण — देखने
छाँड़ि — छोड़
पीवण — पीने
जबलगि — जब तक

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." — Jawaharlal Nehru

8th

पाठ - 7

Date ___/___/______ Page No.: ______

मेरी यूरोप यात्रा

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

प्र० क- पाठ में किनकी यूरोप यात्रा का वर्णन है ?

उ० (क) पाठ में डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की यूरोप यात्रा का वर्णन है।

प्र० ख- दिन-रात पानी देखते-देखते जहाज के यात्रियों को कैसा अनुभव होता था

उ० (ख) दिन-रात पानी देखते - देखते जहाज के यात्रियों को ऐसा अनुभव हुआ जैसे उन्होंने कभी ज़मीन देखी ही नहीं हो।

प्र० ग- मिस्र में किस दिशा की ओर मुँह करके नमाज पढ़ते हैं ?

उ० (ग) मिस्र में पूरब दिशा की ओर मुँह करके नमाज़ पढते हैं।

प्र० घ- रेगिस्तान मे लेखक ने क्या देखा ?

उ० (घ) रेगिस्तान मे लेखक ने 'स्फिंक्स' देखा।

प्र० ङ.) पाठ के लेखक का नाम लिखिए -

उ० (ङ.) पाठ के लेखक का नाम डॉ० राजेन्द्र प्रसाद है।

लिखित

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda

Date ___/___/___ Page No. ___

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए

प्र०-क-अपनी पहली यूरोप यात्रा में लेखक ने कैसी पोशाकें बनवाईं

उ० (क) अपनी पहली यूरोप यात्रा में लेखक ने कश्मीरी ऊनी कपड़े ही खादी भण्डार से मँगवाए और उन्हीं से पोशाकें बनवाईं।

प्र०ख- पिरामिडों के अंदर शव के साथ कौन-कौन-सी वस्तुएँ गाड़ी जाती थीं और क्यो

उ० (ख) वहाँ के निवासियों का विश्वास था कि आराम के सभी सामान यदि निर्जीव शरीर के साथ गाड़ दिए जाएँ तो परलोक में भी उनसे वह आराम पा सकता है। इसी विश्वास के अनुसार पिरामिडों के अन्दर शव के साथ सभी आवश्यक वस्तुएँ गाड़ी जाती थीं। पहनने के कपड़े और गहने, बैठने के लिए चौकी, खाने के लिए अन्न, श्रृंगार के सामान, सवारी के लिए नाव और रथ तक रखे जाते थे।

प्र०ग-पाठ के आधार पर पिरामिडों की संरचना के बारे में जानकारी दीजिए

उ० (ग) ये चौखूँटी इमारतें हैं। हमारे देश में ईंटों के भट्ठे जैसे बने होते हैं, वैसे ही ये पत्थरों के बहुत बड़े-बड़े चौरस टुकड़ों के बने हैं।

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." – Jawaharlal Nehru

भट्ठों की तरह नीचे की चौड़ाई ज़्यादा है, जो ऊपर की ओर कम होती गई है। ईंटों का भट्ठा छोटा होता है पर पिरामिड बहुत बड़े और ऊँचे हैं। इनमें लगी पत्थर की एक-एक ईंट मेरे अनुमान से पाँच हाथ लंबी होगी। इसी के अनुसार उनकी चौड़ाई और मोटाई भी है।

प्र०घ - लेखक रोमाँ-रोला से मिलने कहाँ गए? उनसे बातचीत करने के लिए ✡

उ०(घ) मेरी बहुत इच्छा थी कि मैं रोमाँ-रोलाँ से मिलूँ, पर उनके घर पहुँचने पर ज्ञात हुआ कि वे गर्मी के कारण कार्टरिंगी पहाड़ी पर गए हैं। मैं वहाँ चला गया। मैं फ्रांसीसी नहीं जानता था और वे अंग्रेज़ी नहीं जानते थे, इसलिए एक दुभाषिया की सहायता लेनी पड़ी।

प्र०ङ) न्यूटाटेल में लेखक के साथ कौनसी आश्चर्यजनक घटना घटी?

उ०(ङ) न्यूटाटेल में एक आश्चर्यजनक घटना हुई। मैं वहाँ बाजार में घूम रहा था। एक दुकान में हाथ के बुने कपड़े देखने लगा। दुकानदार महिला थी। उसने मेरे कपड़ों को देखा और समझ लिया कि मैं हिन्दुस्तानी हूँ।

✡ द्विभाषिए की मदद क्यों लेनी पड़ी?

Date ___/___/______ Page No.: ______

उस महिला ने गांधी जी के बारे में बताया। मुझे आश्चर्य हुआ कि वह न केवल गांधी जी का नाम जानती थी, बल्कि उनके संबंध में जो ग्रंथ उसे मिल सके, उन्हें वह पढ़ गई थी।

2. निम्नलिखित कथनों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

क) हम जो कुछ अपने बड़प्पन के मद में करते हैं - - - - अस्थायी है।

उ० (क) संग्रहालय की वस्तुओं और विशेषकर प्रतापी राजाओं के शव देखकर यह मालूम होने लगता है कि हम जो कुछ अपने बड़प्पन के मद में करते हैं वह सब कितना तुच्छ और अस्थायी है।

ख) मैंने कभी जीवन में कपड़े और फैशन पर ध्यान ही नहीं दिया।

उ० (ख) डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद के अनुसार उन्होंने कभी फैशन एवं कपड़ों पर कभी ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन जैसे आदमी के लिए यह झंझट कुछ कम नहीं था।

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." —Jawaharlal Nehru

पाठ 7
अभ्यास कार्य

Date ___/___/______ Page No.: ______

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य - प्रयोग कीजिए।

(क) साधन — राजेन्द्र प्रसाद ने कपडों को सिर्फ लज्जा प्रसाधन का साधन मात्र समझा है।
(ख) पोशाक — राजेंद्र प्रसाद खादी की पोशाक पहनते थे।
(ग) झंझट — यह झंझट कुछ कम नहीं है।
(घ) जहाज़ — राजेंद्र प्रसाद पानी के जहाज़ से यूरोप गए।
(ङ) खुदाई — मोहनजोदड़ों की खुदाई में गेहूँ मिले।

विषय - वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हम लोग सवेरे .... सुरक्षित रखी हैं।
प्र॰क- लेखक कहाँ जा रहे थे?
उ॰ (क) लेखक यूरोप जा रहे थे।
प्र॰ख- जहाज कहाँ रुका था?
उ॰ (ख) जहाज बंदरगाह पर रुका था।
प्र॰ग- कैरो नगर में लेखक क्या देखने गए?

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda

Date ___/___/______ Page No.

उ० (ग) कैरो नगर में लेखक अजायबघर देखने गए।

प्र० घ- अजायबघर में उन्होंने क्या देखा?

उ० (घ) अजायबघर में उन्होंने परामिड़ों की खुदाई से निकली वस्तुएँ देखीं।

भाषा - बोध

1. दिए गये शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

ज्ञात — अज्ञात	शहर — गाँव
संध्या — सुबह	विशेष — साधारण
उचित — अनुचित	सुंदर — कुरूप
सुरक्षित — असुरक्षित	उदास — खुश / प्रसन्न

2. दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए।

आदमी — पुरुष	आसानी — सहजता
ज़्यादा — अधिक	जहाज़ — जलपोत
शहर — नगर	बादशाह — राजा
ज़मीन — भूमि	सफ़र — यात्रा

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." —Jawaharlal Nehru

3. दिए गए शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए।

पूर्व — पहले, एक दिशा
काम — कार्य (धंधा), वासना
मद — घमंड, शराब
कर — हाथ, टैक्स
सोना — स्वर्णधातु, नींद लेना
पर — पंख, किन्तु

4. निम्नलिखित शब्दों को ध्यान से देखिए।

हिन्दुस्तान — हिन्दुस्तानी
शाकाहार — शाकाहारी

ऊपर के शब्दों में 'हिंदुस्तान' और 'शाकाहार' संज्ञा है जबकि 'हिंदुस्तानी' और 'शाकाहारी' — 'विशेषण'।

निम्नलिखित संज्ञा शब्दों से विशेषण बनाइए।

हर्ष — हर्षित देश — देशीय
जाति — जातीय योग — योगात्मक / योगीन
सुख — सुखी स्वर्ण — स्वर्णमय
सज्जन — सज्जनता बाज़ार — बाज़ारी

Date ___/___/______

5. शब्दों का क्रम सही करके वाक्यों को पुन: लिखिए।

(क) मेरी थी यह विदेश पहली यात्रा।

* (क) यह मेरी पहली विदेश यात्रा थी।

(ख) यात्री आ देख कैसे नगर सकता कर है।

* (ख) यात्री कैसे नगर देखकर आ सकता है।

(ग) ऊँटों सवार होकर पड़ा जाना कर।

* (ग) ऊँटों पर सवार होकर जाना पड़ा।

(घ) देखा नजदीक पिरामिडों को जाकर से।

* (घ) पिरामिडों को नज़दीक से जाकर देखा।

(ङ) ईंट लंबी हाथ पाँच होगी।

* (ङ) ईंट पाँच हाथ लंबी होगी।

पाठ - 7 पूरा

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." —Jawaharlal Nehru

पाठ 8

भिखारिन

मौखिक

प्र० क- झोंपड़ी में पहुँचते ही उसका स्वागत कौन करता था?

उ० क- झोंपड़ी मे पहुँचते ही उसका स्वागत एक दस वर्षीय बालक करता था।

प्र० ख- बुढ़िया ने हाँडी सेठ के पास क्यों रख दी?

उ० ख- बुढ़िया ने हाँडी सेठ के पास अपने धन की सुरक्षा के लिए रख दी।

प्र० ग- बुढ़िया सेठजी के पास पैसे माँगने क्यों गई थी?

उ० ग- बुढ़िया अपने बच्चे को डॉक्टर को दिखाने और उसकी दवा लेने के लिए सेठ जी के पास अपने पैसे माँगने गई थी।

प्र० घ- सेठ जी का बेटा कहाँ खो गया था?

उ० घ- सेठ जी का बेटा किसी मेले में खो गया था।

प्र० ङ- बच्चे को पहचानने के बाद सेठ ने क्या कहा?

उ० ङ०) बच्चे को पहचानने के बाद सेठ ने उसे बुढ़िया से छीनकर अपने कलेजे से चिपटा लिया।

लिखित- प्र० क- किन बातों से पता चलता है कि बुढ़िया बच्चे को बहुत प्यार करती थी?

उ० क- बुढ़िया बच्चे को अपने से अच्छा खिलाती और पहनाती थी तथा रात में उसे अपनी छाती से लगाकर सो जाती थी। इससे पता चलता है कि बुढ़िया अपने बच्चे को बहुत प्यार करती थी।

प्र० ख- वह बच्चे का पालन-पोषण कैसे करती थी?

उ० ख- वह अपने बच्चे का पालन -पोषण बहुत

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." —Jawaharlal Nehru

ही लाड़-प्यार से करती थी। वह उसे अपने से अच्छा खिलाती और पहनाती थी।

प्र॰ग॰- किस बात से पता चलता है कि वह बच्चे के भविष्य के प्रति चिंतित थी?

उ॰ग॰- वह बच्चे के भविष्य के लिए एक हाँडी में पैसे जमा करती थी। इससे पता चलता है कि वह बच्चे के भविष्य के लिए चिंतित थी।

प्र॰घ- सेठ जी के किन गुणों से प्रभावित होकर वह अपनी हाँडी उनके पास रख आई थी?

उ॰घ- सेठ जी को लोग बड़ा देशभक्त और धर्मात्मा मानते थे। उनके इन्हीं गुणों से प्रभावित होकर वह अपनी हाँडी उनके पास रख आई थी।

प्र॰ङ॰- अंधी बुढ़िया को सेठ जी से क्यों घृणा हुई?

उ॰ङ॰- अंधी बुढ़िया का बच्चा सख्त बीमार था। इसीलिए वह सेठ जी से अपने रुपए लेने गई थी, जो उसने सेठ के पास रख रखे थे। लेकिन सेठ जी ने रुपए देने से इंकार कर दिया था। इसीलिए उसे सेठ जी से घृणा हो गई थी।

२- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

क) बुढ़िया उनको अनेक दुआएँ देती।

ख) बुढ़िया ने झोपड़ी में एक हाँडी गाड़ रखी थी

ग) मैं जीवन भर आपके गुणगान करूंगी

घ) सेठ जी की अजीब दशा थी।

ङ॰) ममता ने बुढ़िया को विकल कर दिया।

Date ___/___/______ Page No.: ______

आशय स्पष्ट कीजिए -

3 (क) "परन्तु पत्थर में जोंक न लगी।"

उ०- परन्तु पत्थर में जोंक न लगी से तात्पर्य है कि सुनकर भी सेठ का दिल नहीं पिघला।

(ख) "उस समय सेठ और भिखारिन दोनों की एक ही दशा थी।"

उ०- उस समय सेठ और भिखारिन दोनों के मन में बच्चे के लिए व्याकुलता थी। दोनों ही बच्चे की सलामती के लिए दुआ माँग रहे थे।

विषय वस्तु का बोध

नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

"अंधी ने झोंपड़ी में एक हाँडी गाड़ रखी थी। जो कुछ माँगकर लाती, उसमें डाल देती और उसे किसी वस्तु से ढाँप देती, ताकि दूसरे व्यक्तियों की दृष्टि उस पर न पड़े।

प्र०-(क) अंधी बुढ़िया ने हाँडी किस प्रयोजन से गाड़ रखी थी?

उ०- अंधी बुढ़िया हाँडी में अपने पैसे इकट्ठा कर रही थी। वह सोचती थी कि वे पैसे आगे चलकर उसके पुत्र के काम आएँगे

प्र०(ख)- बुढ़िया हाँडी में क्या-क्या डालती होगी? क्या जो कुछ माँगकर लाती, सब?

उ० - बुढ़िया जो कुछ माँगकर लाती थी, वह सब कुछ हाँडी में नहीं डालती होगी। वह उसमें से केवल रुपए पैसे ही डालती होगी।

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." -Swami Vivekananda

Date __/__/__ Page No.: ____

प्र. ग) हाँडी पर यदि किसी की नज़र पड़ती तो वह क्या सोचता ?

उ०- हाँडी पर यदि किसी की नज़र पड़ती तो वह सोचता कि बुढ़िया ने पैसे कहीं से चुराए होंगे या वह उन्हें चोरी करने की बात भी सोच सकता था।

प्र. घ - 'दृष्टि' शब्द में प्रयुक्त 'द' में कौन-से स्वर की मात्रा है ?

उ०- 'दृष्टि' शब्द मे प्रयुक्त 'द' में 'ऋ' स्वर की मात्रा है।

भाषा बोध

1 दिए गए शब्दों के वचन परिवर्तित कीजिए -

दुआ	दुआएँ	स्त्रियाँ	स्त्री
इच्छा	इच्छाएँ	पैसे	पैसा
हाँडी	हाडियाँ	रुपए	रुपया

2 नीचे दिए गए शब्दों में 'आ', 'अ', 'अन', बे उपसर्ग लगाकर विलोम शब्द लिखिए -

सत्य ×	असत्य	उचित ×	अनुचित
परिचित ×	अपरिचित	जीवन ×	मृत्यु
विश्वास ×	अविश्वास	पूर्व ×	अपूर्व
न्याय ×	अन्याय	साधारण ×	असाधारण
चैन ×	बेचैन	शंका ×	बेशंका

3 निम्नलिखित पात्रों से संबंधित जो भी शब्द मन में उसे लिखिए -

बच्चा - अबोध, प्यारा, अकेला, नन्हा

बुढ़िया - अंधी, भिखारिन

"All the work you do, is done for your own salvation, is done for your own benefit." —Swami Vivekananda

Date ___/___/______ Page No.: ______

सेठ - दयालु, सहृदय, धर्मात्मा

5 निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए शब्द का बहुवचन रूप कारक सहित भरिए -

क) शहर के मंदिरों में भक्तों की भीड़ थी। (मंदिर)

ख) बच्चों ने अपने नेत्रों को बंद करके प्रार्थना की। (नेत्र)

ग) धनी अपने हाथों से खूब दान देते है। (हाथ)

घ) तुम्हारे गुणों की सब प्रशंसा करेंगे। (गुण)

ङ) नौकरों ने भी सेठ को बुरा-भला कहा होगा। (नौकर)

5) पाठ में आए मुहावरे वाक्यों में भरिए -

क) मुझे यह पुरस्कार यूं ही नहीं मिला। इसके लिए मैंने खून पसीना एक किया है।

ख) मेरे पैसे हजम करके तुम चैन नहीं पाओगे।

ग) गरीबी में अंधे की लाठी लेकर चले गए।

"Failure comes only when we forget our ideals and objectives and principles." – Jawaharlal Nehru